हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 WWW.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 4, अंकः 337, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 10 मई, 2020 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

प्रवासी श्रमिकों को काम देने की योजना तैयार : योगी

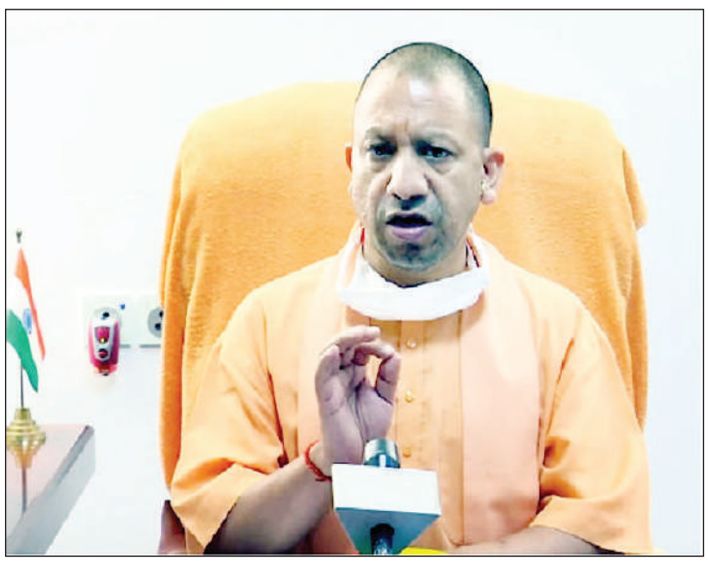

प्रखर लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लॉकडाउन में भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पांच लाख से अधिक प्रवासी कामगार/श्रमिकों को काम देंगे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को टीम-11 के साथ कोरोना वायरस संक्रमण की समीक्षा के दौरान बैठक में मौजूद अधिकारियों को सभी प्रवासी कामगार व श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही वृहद कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच लाख से अधिक लाख प्रवासी श्रमिक/कामगारों की चुनौती को अवसर में बदला जाएगा। पहले तो सभी की सुरक्षित वापसी हो फिर लेबर रिफार्म कानून के जरिए गांवों व कस्बों में ही नौकरियां रोजगार देने की योजना को मूर्त रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि लाखों श्रमिक/कामगारों का हर क्वॉरंटीन सेंटरों में ही स्किलिंग डाटा तैयार करने किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी तक आठ लाख प्रवासी श्रमिक/कामगार उत्तर प्रदेश पहुंच चुके हैं। पिछले तीन दिनों में 80 ट्रेनों से करीब सवा लाख कामगार उत्तर प्रदेश में अपने जिलों में पहुंच चुके हैं। अभी बाकी लोग 35 ट्रेन से आज या कल तक पहुंचेंगे। प्रतिदिन 35 से 40 ट्रेनों से प्रवासी कामगार व श्रमिक प्रदेश वापस आ रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी प्रवासी कामगार/श्रमिकों को नौकरी देने के लिए हम लेबर रिफार्म कानून ला रहे हैं। लेबर रिफार्म से सभी प्रवासी श्रमिकों/कामगारों को बड़ा फायदा होगा और रोजगार सृजन की व्यापक संभावनाएं बढेंगी। इसके साथ यूपी की अर्थव्यवस्था भी तेजी से दौड़ेगी। लेबर रिफार्म में हर कामगार / श्रमिक को रोजगार/ नौकरी के साथ ही न्यूनतम 15 हजार रूपए वेतन की गारंटी के साथ उसके काम के घंटों की गारंटी तथा सुरक्षा की गारंटी भी होगी।

महिला कामगार/श्रमिकों के लिए महिला सुरक्षा कानून- सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिला कामगार/श्रमिकों के लिए महिला सुरक्षा कानून के तहत सुरक्षा की गारंटी की व्यवस्था भी होगी। नई इकाइयों के साथ ही पुरानी इकाइयों में भी नई भ?तयों में लेबर रिफार्म कानून लागू होगा। महिला स्वयं सहायता समूह के लिए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएं। डिटर्जेंट के कारोबार के साथ ही साथ इत्र, एग्री प्रोडक्ट्स, धूप बत्ती, अगरबत्ती, फूड पैकेजिंग और गौ आधारित कृषि के उत्पादों के साथ फूल आधारित उत्पादों तथा कंपोस्ट खाद आदि के कारोबार पर रणनीति भी तैयार की जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि कामगार/श्रमिकों के साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी नौकरी व रोजगार पैदा करने की रणनीति बने। सरकार का फोकस रेडीमेड गार्मेंट के साथ ही तमाम उद्योगों का हब बनाने पर भी हैं। योगी सरकार फोकस बड़े उद्यमों के साथ ही साथ बांग्लादेश, वियतनाम जैसे देशों की तुलना में बेहतर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का बड़ा हब बनाने में है।

केंद्र सरकार ने एनआरआई को टैक्स नियमों में दी बड़ी राहत

प्रखर नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के चलते एनआरआई के लिए देश में ही फंस जाने से टैक्स नियमों में ढील देने का फैसला किया है। सरकार का मानना है कि कोरोना संकट में विदेश से भारत आए एनआरआई मौजूदा कोरोना संकट के चलते चल रहे लॉकडाउन में देश से वापस नहीं जा पाएंगे। ऐसे में उन्हें आयकर कानून के उस प्रावधान से छूट दी जाएगी, जिसमें तय समय से ज्यादा रहने पर उनकी आय पर टैक्स भारतीय नागरिक की कमाई के हिसाब से लिया जाता है। सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया है कि देश में मौजूदा हालात में फ्लाइट ऑपरेशन बंद है। ऐसे में यहां फंसे हुए एनआरआई के लिए संकट खड़ा हो रहा था कि कहीं उनसे भारतीय नागरिकों की तरह टैक्स न वसूला जाए। यहां फंसे नागरिकों ने सरकार से इस बारे में गुहार लगाई थी और टैक्स में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ढील देने की अपील की थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन परिस्थितियों को देखते हुए फिलहाल अनिश्चित काल के लिए छूट को मंजूरी दी है। एक बार विमान सेवाएं शुरू हो जाएंगी उसके बाद इसकी समय सीमा के बारे में सर्कुलर जारी किया जाएगा। ये छूट वित वर्ष 2019-20 के लिए लागू होगी। नियमों के हिसाब से पिछले वित्त वर्ष तक 180 दिन से ज्यादा अगर कोई एनआरआई भारत में रहता है तो उसकी आमदनी पर भारत के हिसाब से टैक्स लगने लगता है। ताजा छूट के हिसाब से 180 दिन की समय सीमा 22 मार्च तक पूरी नहीं होनी चाहिए। यदि एनआरआई 1 मार्च से क्वारंटीन पर है या किन्हीं वजहों से देश से बाहर नहीं गए हैं तो भी ये छूट मिलेगी। ये छूट इस वित्त वर्ष में भी जारी रहेगी।

कोरोना की सबसे खराब स्थिति के लिए भी देश को किया तैयार : डॉ. हर्षवर्धन

प्रखर नई दिल्ली। कोरोना वायरस के मामले देश में लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले कई दिनों से रोजाना तीन हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं, जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 60 हजार के पार पहुंच गई है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा है कि कई देशों में जिस तरह की बहुत खराब स्थिति है, उस तरह की स्थिति शायद ही भारत में हो। उन्होंने कहा कि लेकिन इसके बावजूद भी भारत सबसे खराब हालात के लिए भी पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि देश में मृत्यु दर लगभग 3.3 फीसदी बनी हुई है और रिकवरी दर 29.9 फीसदी तक बढ़ गई है। यह बहुत अच्छे संकेत हैं। बता दें कि देश में कोरोना वायरस के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर शनिवार को 1,981 हो गई है। पिछले 24 घंटों में इस वायरस के कारण 95 लोगों की मौत हुई है और 3,320 नए मामले सामने आए है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 39,834 लोगों का उपचार चल रहा है जबकि 17,846 लोग स्वस्थ्य हो गए हैं और एक मरीज विदेश चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'अभी तक करीब 29.91 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हुए हैं।' संक्रमितों की कुल संख्या में 111 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शुक्रवार सुबह से लेकर अब तक कुल 95 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 37 की महाराष्ट्र, 24 की गुजरात, नौ की पश्चिम बंगाल, सात की मध्य प्रदेश, चार-चार लोगों की राजस्थान और उत्तर प्रदेश, तीन-तीन लोगों की आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु, दो लोगों की दिल्ली तथा एक-एक व्यक्ति की मौत पंजाब और हरियाणा में हुई।

मामूली विवाद में धारदार हथियार से युवक की हत्या

प्रखर जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के बदलपुर गांव में शनिवार को मामूली विवाद को लेकर खुनी जंग हुआ इस वारदात में एक युवक की बेरहमी से कत्ल कर दिया गया । दिनदहाड़े हुई हत्या से पुरे इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है । जलालपुर थाना क्षेत्र के बदलपुर गांव के निवासी गयाप्रसाद के घर के पास स्थित बांस में से उसके पड़ोसी युवक अनुराग उर्फ गोलू पुत्र स्वर्गीय हरि प्रसाद बांस की कईन काट रहा था।गयाप्रसाद ने मना किया।अनुराग नही माना और दोनों में गाली गलौज होने लगी। उस समय अनुराग ने गयाप्रसाद के ऊपर हसिया से हमला कर दिया।वे वही गिर पड़े शोर मचाने लगे।यह देख कर अनुराग मौके से भाग कर घर चला गया।थोडी देर बाद गयाप्रसाद का पुत्र अंकुश पहुंचा।पिता से झगड़े की जानकारी होने और वह अनुराग के घर जाकर पूछने लगा।तभी अनुराग ने उस पर हँसिया से हमला कर दिया।मौके पर पेट फट गया ।वह वही गिरकर तड़पने लगा।अनुराग फरार हो गया।घटना के आधे घण्टे के बाद वाहन की व्यवस्था हुई।तब जाकर अंकुश को जिलाचिकित्सालय ले जाया गया।जहाँ पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। घटना स्थल पर सीओ केराकत अजय श्रीवास्तव, सीओ संजय कुमार सदर, एस पी जौनपुर सहित जलालपुर की पुलिस भी मौजूद रही।

मैं स्वस्थ हूं, किसी बीमारी से पीड़ित नहीं : अमित शाह

प्रखर नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर फैलाई जा रही थीं। उन्होंने कहा, पिछले दिनों से कुछ मित्रों की ओर से सोशल मीडिया के माध्यम से मेरे स्वास्थ्य के बारे में कई मनगढ़ंत अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यहां तक कि कई लोगों ने मेरी मृत्यु के लिए भी ट्वीट कर दुआ मांगी है। अमित शाह ने आगे कहा, देश इस समय कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ रहा है और देश के गृह मंत्री के नाते देर रात तक अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण मैंने इन सब पर ध्यान नहीं दिया। जब यह मेरे संज्ञान में आया तो मैंने सोचा कि यह सभी लोग अपने काल्पनिक सोच का आनंद लेते रहें, इसलिए मैंने कोई स्पष्टता नहीं की। उन्होंने कहा, "परंतु मेरी पार्टी के लाखों कार्यकताओं और मेरे शुभचिंतकों ने विगत दो दिनों से काफी चिंता व्यक्त की, उनकी चिंता को मैं नजरअंदाज नहीं कर सकता।

विशाखापट्टनम प्लांटः एंबुलेंस को रोक सड़क पर शवों के साथ प्रदर्शन, कंपनी बंद करने की मांग

प्रखर हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के विशाखपट्टन में आर.आर. वेंटपुरम और उसके आसपास के लगते गांवों के सैकड़ों लोगों ने शनिवार को एलजी पॉलीमर्स लिमिटेड के बाहर इकट्ठा होकर प्लांट को बंद करने की मांग की। ये वही कंपनी है जहां पर गुरुवार को प्लांट से जहरीली सिट्रीन गैस लीक होने के चलते 12 लोगों की मौत हो गई थी। सुबह तनाव उस वक्त प्लांट के पास पैदा हो गया जब दो दिन बाद अपने गांव लौट रहे गुस्साए लोगों ने प्लांट पर धावा बोल दिया और उसके परिसर में घुसने की कोशिश करते हुए नारे लगाकर इसे बंद करने या फिर कहीं और लेकर जाने की मांग की। ठीक उसी वक्त कुछ पीड़ितों के शवों के साथ किंग जॉर्ज हॉस्पीटल के मुर्दाघर से एंबुलेस अंतिम संस्कार के लिए शवों को गांवों में लेकर जा रही थी। गुस्साएं गांव वालों ने एंबुलेंस को वहीं पर रोक कर शव को कंपनी के गेट पर रखकर धरना देना शुरू कर दिया। पुलिस महानिदेशक गौतम स्वांग के प्लांट दौरे के चलते भारी संख्या में पुलिस बलों की मौजूदगी के बावजूद पुलिस के लिए प्रदर्शकारियों पर नियंत्रण पाना काफी चुनौतीपूर्ण था। एक महिला प्रदर्शनकारी ने डीजीपी के पैर पर गिरते हुए लोगों को लिए इंसाफ की मांग कर कंपनी के खिलाफ फौरन कार्रवाई की मांग की। हालांकि, उस महिलों को वहां से महिला कांस्टेबल ने हटा दिया। डीजीपी के साथ परिसर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी थे। गुस्से में एक गांव वाले ने संवाददाताओं से कहा, ह्लएलजी पॉलीमर्स मैनेजमेंट के खिलाफ केस दर्ज किए हुए दो दिन हो गए हैं। लेकिन आज की तारीख तक किसी भी कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है। हम किसी भी परिस्थिति में कंपनी को चलतने की इजाजत नहीं देंगे। जैसे ही स्थिति तनावपूर्ण होने लगी पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। कई प्रदर्शनकारियों को वैन में बंद कर उन्हें गोपालपट्टनम थाने ले जाया गया। लेकिन, कुछ ही देर में कई और लोग भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद विशाखापट्टनम पुलिस आयुक्त आरके मीणा ने पूरे मामले में दखल दिया और अतिरिक्त पुलिस बलों की मदद से प्रदर्शनकारियों को कंपनी परिसर से हटाने में कामयाब रहे।

कांग्रेस पार्टी को झटका: ईडी ने अटैच की एजेएल की 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति

प्रखर नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि इसने कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रवर्तित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और कांग्रेस पार्टी के नेता मोती लाल वोरा की 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह कार्रवाई की गई है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्ति मुंबई में 9 मंजिला इमारत है, इसमें दो बेसमेंट भी हैं और 15 हजार स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। इसकी कुल कीमत 120 करोड़ रुपए है। इसमें से 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। इमारत बांद्रा ईस्ट में ईपीएफ ऑफिस, कला नगर के पास प्लॉट नंबर 2 और सर्वे नंबर 341 पर है। एजेंसी ने कहा कि इस केस में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और मोती लाल वोरा हैं। एजेंसी ने कहा कि हरियाणा के पंचकुला में अवैध रूप से आवंटित भूमि पर दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित सिंडिकेट बैंक ब्रान्च से लोन लिया गया और इससे बांद्रा में यह इमारत खड़ी की गई। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएल) के तहत प्रोविजनल अटैचमेंट आदेश एजेएल और मोती लाल वोरा के नाम जारी किया गया है। वोरा एजेएल के

प्रबंधकीय निदेशक हैं। एजेएल, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा नियंत्रित है, जिसमें गांधी परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। यह समूह नेशनल हेराल्ड अखबार चलाता है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अपराध के धन से अर्जित 16.38 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति जब्त की गई है। इससे पहले पंचकुला के प्लॉट को भी ईटी ने अटैच किया था। हुड्डा और वोरा से पूछताछ भी की गई थी। पंजकूला के सेक्टर 6 में प्लॉट सी-17 को पहली बार 1982 में हरियाणा सरकार ने आवंटित किया था।

क्या है एजेएल- नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस समय से यह अखबार कांग्रेस का मुखपत्र माना जाता रहा। अखबार का मालिकाना हक एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड यानी 'एजेएल' के पास था। आजादी के बाद 1956 में एसोसिएटेड जर्नल को अव्यवसायिक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। वर्ष 2008 में 'एजेएल' के सभी प्रकाशनों को निलंबित कर दिया गया और कंपनी पर 90 करोड़ रुपए का कर्ज भी चढ़ गया। कांग्रेस नेतृत्व ने 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की एक नई अव्यवसायिक कंपनी बनाई जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित मोतीलाल वोरा, सुमन दुबे, ऑस्कर फर्नांडिस और सैम पित्रोदा को निदेशक बनाया गया।

संपादकीय

कमाण्डर ढेर

यह बात थोड़ा सा सन्तोष देने वाली है कि सुरक्षाबलों को सॉफ्ट-टारगेट बनाने वाले पाक पोषित आतंकियों को बुधवार को टॉप हिजबुल कमांडर को मौत के घाट उतार दिया गया। बारह लाख के इनामी खूंखार आतंकवादी रियाज नाइकू शीर्ष आतंकवादियों में शामिल था और तमाम हमलों की घटनाओं में वांछित था। रियाज मारे गये आतंकवादियों के जनाजे में स्वचालित हथियारों से खुलेआम फायरिंग किया करता था। हाल में हंदवाड़ा में दो बड़े सैन्य अधिकारियों समेत पांच की हत्या तथा सोमवार को घात लगाकर तीन सीआरपीएफ के जवानों की हत्या के बाद पिछले चौबीस घंटे में रियाज नाइकू समेत चार आतंकवादियों का मारा जाना निश्चित रुप से सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाने वाला है। इस समय लॉकडाउन में विभिन्न स्थानों पर कानून व्यवस्था कायम करवाने वाले सुरक्षा बलों को आतंकवादी सॉफ्ट-टारगेट बना रहे हैं। हालांकि, कश्मीर में जनवरी से अब तक सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 76 आतंकी मारे जा चुके हैं, मगर तेईस जवानों को भी गंवाना पड़ा है। विडंबना यह है कि पांच अगस्त के बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 के समाप्त किये जाने से बौखलाया पाक एलओसी पर लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है और फायरिंग की आड़ में घुसपैठियों को भारत भेजने की कोशिश करता रहा है। केरन सेक्टर में पांच घुसपैठियों के मारे जाने और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद होना उसकी करतूतों का नमूना है। रियाज नाइकू के मारे जाने के बाद घाटी में उपद्रव को टालने के लिए मोबाइल व इंटरनेट सेवायें बंद कर दी गईं। आतंकवादियों के जनाजे के बाद उपद्रव की आशंका को टालने के लिए अब सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के शव को परिजनों को न सौंपने का निर्णय करके नियम बदल दिया गया है, क्यों कि दौरान आतंकवादी लोगों को भड़काने का काम करते थे। नई नीति से राज्य में कानून व्यवस्था को बनाये रखने में सुविधा हो सकेगी। ऐसा इसलिये भी जरूरी था क्योंकि मार्च के बाद राज्य में आतंकवादी हमलों में खासी तेजी आयी है। उम्मीद है कि चौबीस घंटों में सुरक्षा बलों की आठ जानें गंवाने के बाद चार आतंकवादियों का सफाया जवानों का मनोबल बढ़ायेगा। चिंता की बात यह है कि अब एक बार फिर उत्तर कश्मीर आतंकवादियों का कार्यक्षेत्र बनता जा रहा है। नब्बे के दशक में भी यह इलाका आतंक का गढ़ हुआ करता था, जिसका सफाया 1995 में हुआ। यह क्षेत्र पाक द्वारा लीपा वैली में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के बाद बीच में पड़ता है, जिसके बाद स्थानीय आतंकवादियों की मदद से वे यहां सक्रिय हो जाते हैं या फिर छोटे-छोटे समूहों में दक्षिण कश्मीर में चले जाते हैं। सुरक्षा बल स्वीकार कर रहे हैं कि पिछले दिनों कुछ घुसपैठिये भारत में घुसने में कामयाब हुए हैं। दरअसल, पाकिस्तान कश्मीर में मुश्किलें पैदा करने के लिए पुरजोर कोशिश में लगा है। तीन मई को हंदवाड़ा में सुरक्षा बलों के जो पांच लोग मारे गये, उस हमले का सूत्रधार लश्कर का कमांडर हैदर पाकिस्तानी नागरिक था। हालांकि, सुरक्षा बल इस चुनौती से मुकाबले को हरदम चौकस रहते हैं, मगर हंदवाड़ा में नागरिकों को बचाने के फेर में आतंकवादियों के जाल में फंस गये। यद्यपि, अप्रैल माह में सुरक्षाबलों ने 20 मुठभेड़ों में कोई क्षति नहीं उठायी थी। जानकारी के अनुसार हताश पाकिस्तान इन करतूतों के पीछे बड़ी भूमिका निभा रहा है। इस साल अब तक 650 बार एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन कर चुका है। इसके बावजूद सुरक्षाबलों को आतंकवादियों के सफाये के लिए रणनीति में बदलाव लाना होगा, ताकि सुरक्षाबलों की मानवीय क्षति और सिक्योरिटी ग्रिड को भी नुकसान न हो। साथ ही कश्मीर में नागरिक संपर्क अभियान को बढ़ावा देकर राष्ट्रीयता का भाव जगाना होगा, ताकि स्थानीय युवक आतंकवादियों के मोहरे न बनें। दरअसल, महज सुरक्षाबलों की कार्रवाई ही आतंकवाद का समाधान नहीं है, इसके लिए राजनीतिक-सामाजिक स्तर पर भी प्रयास भी आवश्यक हैं।

क्यों हमें ताज़ा कर जाती है भोपाल गैस त्रासदी ?

प्रभुनाथ शुक्ल

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम में एलजी पॉलिमर्स कम्पनी में गैस रिसाव के चलते एक मासूम बच्चे समेत अभी तक कुल नौ लोगों की मौत हो चुकी है। 300 से अधिक लोग अस्पताल इलाज के लिए भर्ती हैं। 80 से अधिक लोग जिंदगी और मौत के बीच वेंटीलेटर पर हैं। 1500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया है। इस घटना ने 36 साल पुरानी भोपाल गैस त्रासदी की याद फ़िर एक बार ताज़ा कर दिया है। भोपाल में 03 दिसम्बर 1984 को अमेरिकी कम्पनी यूनियन कार्बाइट से जहरीली गैस लीक होने से 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग साँस और दूसरी शारीरिक बीमारियों से ग्रसित हुए थे। काफी संख्या में लोग अंधे और विस्थापित हो गए थे। इतने सालों बाद भी पीड़ितों को आज तक न्याय नहीं मिल पाया। विशाखापट्टनम की यहाँ त्रासदी कितनी भयानक है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तीन से पांच किलोमीटर के क्षेत्र को खाली करा दिया गया है। यह हादसा इसलिए और भी घातक हो गया कि लोग रात में गहरी नींद में थे। जिसकी वजह से जहरीली गैस उनकी सांसो के ज़रिए फेफड़ों तक पहुँच गईं और लोगों की दमघुटने से मौत हो गई। मीडिया में जो ख़बरें आई हैं उसके अनुसार कई मजदूर कम्पनी में थे। अगर ऐसा है तो उनकी भी मौत हो सकती है। शहर में लोगों के दरवाज़े तोड़ कर पुलिस जांच कर रही है क्योंकि मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है। पांच किमी इलाके में लोगों को गैस रिसाव के चलते सांस लेने की दिक्कत है। इस दौरान पूरे देश में लॉकडाउन है। विशाखापट्नम ओरेंज जोन में है। जाहिर सी बात है कि अस्पताल पहले ही कोरोना युद्ध से लड़ रहे हैं। लोगों को सामाजिक दूरी बनानी होगी, उस स्थिति में इस तरह की समस्या अपने आप में बड़ी चुनौती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी ने इस घटना पर गहरा दु:ख जताया है। केंद्र सरकार पूरी घटना और राहत पर नज़र बनाए है। मुख्यमंत्री जगमोहन रेड्डी किंग जॉर्ज अस्पताल में पीड़ितों को देखने भी गए हैं। पूरे मामले पर खुद नज़र रखे हुए हैं और जिला में मौजूद सभी अधिकारियों को लोगों की जान बचाने के लिए तत्काल सभी संभव कदम उठाने को कहा है। लेकिन सबसे अहम सवाल है कि इस तरह की त्रासदी हुई कैसे? निश्चित रुप से यह कम्पनी प्रबंधन की सबसे बड़ी लापरवाही है। क्योंकि कम्पनी लॉकडाउन से 40 दिन से बंद थी तो काम संचालन के पूर्व पूरे प्लाण्ट की अच्छी तरह जांच और निगरानी क्यों नहीं की गई। रात के तीन बजे कम्पनी खोलने की क्या ज़रूरत थी। दिन में उसे क्यों नहीं खोला गया।

यह जिम्मेदारी उस स्थिति में और जवाबदेह बन जाती है जब प्लाण्ट में इस तरह की ज़हरीली गैस का इस्तेमाल हो रहा हो। इसमें कोई दोराय नहीं कि कम्पनी प्रबंधन की तरफ़ से लापरवाही बरती गई है। जब प्लाण्ट बंद होने से पूर्व काम कर रहा था तो फ़िर लॉकडाउन के बाद कार्य चालू होने के बाद गैस का रिसाव कैसे हुआ। यह किसी तकनीकी गड़बड़ी से हुआ या फ़िर किसी की साजिश से हुआ। इस मामले की गम्भीरता से पड़ताल होनी चाहिए। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए सभी गाँव वालों को सुरक्षित निकाल लिया है। लेकिन ज़हरीली गैस रिसाव के चलते लोगों के आँखों में जलन हो रही है। मासूम बच्चों और बुजुर्गों को स्वांस लेने में बड़ी दिक्कत हो रही है। यह परेशानी जानलेवा हो सकती है।

यह प्लाण्ट एलजी पॉलिमर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का है। 1961 में बना यह प्लांट हिंदुस्तान पॉलिमर्स का था। इसे 1997 में दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी ने अधिग्रहण कर लिया। आंध्रप्रदेश के उद्योग मंत्री गौतम रेड्डी ने यह माना है कि लॉकडाउन के बाद कम्पनी खोलते समय कहीं न कहीं चूक हुई है जिसकी वजह से गैस रिसाव की समस्या हुई है। सवाल उठता है कि केंद्र सरकार की तरफ़ से इस तरह के जोखिम भरी कम्पनियों के लिए सुरक्षा की गाइडलाइन ज़रूर जारी की गईं होगी। क्योंकि इस तरह के उद्योग रसायनिक प्रयोगों की वजह से जोखिम भरे होते हैं। यह जांच का विषय है कि 40 दिन बाद कम्पनी खोलने से पहले क्या सम्बन्धित गाइडलाइन का अनुपालन किया गया था या नहीं। अगर नहीं तो इसके लिए सीधे तौर पर कम्पनी प्रबंधन की जवाबदेही बनती है। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह मसला लोगों की जिंदगी से जुड़ा है। विदेशी प्लाण्ट भारत के लोगों की जिंदगी को इतना सस्ता क्योंकि समझते हैं। क्योंकि भोपाल और विशाखापट्नम की घटना विदेशी प्लांटों की वजह से हुई है। अपने आप में यह विचारणीय है।

राज्य और केंद्र सरकार की पहली प्रथमिकता है कि लोगों का जीवन बचाया जाय। प्रभावित परिवारों और लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाय।

गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिकों की मदद से प्रभावित इलाके को निष्प्रभावी बनाया जाय। इसका असर क्या हो सकता है लोगों को इसके बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाय। इस गैस का प्रभाव क्या भोपाल गैस त्रासदी से भी गहरा है इसकी भी जांच होनी चाहिए। क्योंकि भोपाल में 36 साल पूर्व हुई इसी तरह की घटना में हजारों बेगुनाहों ने अपनी जान गँवाई थी। भोपाल में ही रात्रि में गैस लीक हुई थी जिसकी वजह से गहरी नींद में सो रहे लोग सुबह नहीं उठ पाए थे। दमघुटने से उनकी मौत हो गई थी। हालाँकि वहां एनडीआरएफ के जवान बचाव और राहत में जुटे हैं। लेकिन सरकारों और वहां के स्वयंसेवी संगठनो को आगे आना चाहिए। इस वक्त लोगों को अधिक से अधिक मदद की ज़रूरत है। इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी- कड़ी से सजा होनी चाहिए। विशाखापट्नम में सरकारों की पहली प्रथमिकता जहरीली गैस से पीड़ित लोगों की जान बचाने की होनी चाहिए। इस मामले में जाबबदेही तय होनी चाहिए। बेगुनाह लोगों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है? क्योंकि अगर सच को जिंदा दफन किया गया तो भोपाल, विशाखापट्नम के बाद इसी तरह की और घटनाएँ सामने आती रहेंगी और अनगिनत छोटी घटनाएं इस तरह की कम्पनियों में हो चुकी हैं।

एक बेहतर विकल्प .....

कुलिन्दर सिंह यादव

कोरोना वायरस के दौर में भारतीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। वर्तमान समय में कोरोना महामारी ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है।

ऐसे में नई और अधिक संतुलित व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही है। जिसमें निष्पक्षता, समानता और मानवता के आधार पर वैश्वीकरण के एक नए ढांचे की बात की गई हो। आज के समय में आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बजाय हमें मानव कल्याण को बढ़ावा देने वाले संस्थानों की जरूरत है। ऐसे में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने स्वयं भाग लिया। इस आंदोलन की स्थापना से लेकर वर्ष 2016 तक लगातार इसका प्रतिनिधित्व भारतीय प्रधानमंत्री ही करते आए हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व दो गुटों साम्यवादी सोवियत संघ और पूंजीवाद अमेरिका के मध्य बंटा हुआ था। इस समय दोनों गुट एक-दूसरे से मुकाबला करने के लिए सामाजिक प्रणालियां तथा सैनिक गुट तैयार कर रहे थे इसी समय वैश्विक पृष्ठभूमि पर बहुत सारे देशों को उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता मिली थी` भारत जैसे देश भी इसी श्रेणी में शामिल थे` नए स्वतंत्र देशों ने स्वयं को दोनों समूहों से दूर रखते हुए एक गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य नवीन देशों के हितों की सुरक्षा करना था।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शीत युद्ध के दौरान नवीन स्वतंत्र देशों के हितों की रक्षा करना था। इसलिए सोवियत संघ के विघटन के बाद इसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगने लगा और देशों का इस समूह के प्रति आकर्षण कम होने लगा। लेकिन हमें यह समझने की जरूरत है कि इस आंदोलन का उद्देश्य देशों के हितों की रक्षा करना था, हम शीत युद्ध से जोड़कर इसकी प्रासंगिकता पर प्रश्न चिन्ह लगा देते हैं। जबकि इस आंदोलन की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी क्योंकि वैश्विक परिदृश्य पर राजनैतिक परिस्थितियों और मुद्दे बदलते रहते हैं।

वर्तमान वैश्विक नेतृत्व में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों की सीमाएं और कमियां स्पष्ट तौर पर देखने को मिल रही है। संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2020 में अपने 75 वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है।

लेकिन कार्यशैली अभी भी 75 वर्ष पुरानी ही दिखाई देती है, जबकि विश्व में शक्ति के क्रम में परिवर्तन हुए हैं और निश्चित तौर पर इन नए देशों की आवाजें अंतरराष्ट्रीय संगठन में साफ सुनाई देनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। आज इस महामारी के दौर में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को आर्थिक रूप से कमजोर कोरोना प्रभावित देशों की मदद के लिए सामने आना था। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत कई संगठन अपनी भूमिका अदा नहीं कर पाए ऐसे में इन पर प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। इस दौर में जहां सक्षम देश अंतमुर्खी हो रहे थे वही भारत ने अपना रोल वैश्विक नेतृत्व कर्ता के रूप में अदा किया। भारत सरकार ने लगभग 123 देशों को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई है।

स्वयं भारत में बड़ी आबादी कोविड-19 से प्रभावित है। इसके बावजूद भी वैश्विक सहायता उपलब्ध कराना निश्चित रूप से प्रशंसनीय कदम है।

आज विश्व में नेतृत्वकर्ता के रूप में कोई देश नहीं दिख रहा है, जहां अमेरिका स्वयं बुरी तरह प्रभावित है, वहीं चीन को नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार करने वाला कोई नहीं है। ऐसे में पूरी दुनिया जब नेतृत्वकर्ता की प्रतीक्षा में है, भारत के लिए यह एक बेहतर अवसर है कि वह गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सदस्य देशों के साथ मिलकर विश्व को एक नया नेतृत्व प्रदान करें। इसमें अमेरिका और चीन को साथ लेकर चला जा सकता है। लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि इस नए संगठन को चीन और अमेरिका की आपसी लड़ाई किसी भी तरह से प्रभावित ना करें। निश्चित तौर पर वर्तमान परिवेश में भारत की अहमियत बढ़ने वाली है।

वसुधैव कुटुंबकम कि हमारी नीति मौजूदा परिदृश्य में एक बेहतर विकल्प हो सकता है। हमें वैश्वीकरण की परिभाषा भी बदलने की जरूरत है जहां पर पर्यावरणीय क्षति को कम करते हुए हमें अपने आर्थिक क्रियाकलापों को संचालित करना होगा।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन को इसकी स्थापना के समय की भांति वर्तमान में भी अपने उद्देश्यों में एकरूपता लानी होगी। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय गठबंधन की राजनीति को भी रोकना होगा। जिससे इसको एक नए वैश्विक मंच के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जहां सभी देशों की आवाजों को समान महत्त्व दिया जाए साथ ही वैश्विक सहयोग की भावना को भी बल मिल सके।

बच्चों में दर्ज होती विकृतियां

ललित गर्ग

दिल्ली में स्कूल जाने वाले नाबालिग बच्चे इंस्टाग्राम पर बॉयज लॉकर रूम ग्रुप बनाकर गंदी बातें करते थे, नाबालिग लड़कियों नग्न फोटोज शेयर करते और लड़कियों पर गलत कॉमेंट्स और फिर रेप तक करने की बातें होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों के 21 छात्रों के शामिल होने की पहचान हुई, ग्रुप का एक लड़का पकड़ा भी गया।

पकड़ा गया छात्र नाबालिग है और अभी किसी स्कूल में ही पढ़ता है। जांच में पता चला है कि इस ग्रुप को एक सप्ताह पहले बनाया गया था। जैसे ही इस कथित ग्रुप का स्क्रीनशॉट्स वायरल हुआ इसे डिलीट कर दिया गया और लॉकररूम 2.0 के नाम से एक अन्य ग्रुप बनाकर फिर अश्लील दुनिया बना ली गई। इस ग्रुप में लड़कियों को भी जोड़ा गया था। समाज के विकृत, नैतिकताविहीन एवं चरित्रहीन होने की यह एक बानगी है। चौंका देने वाला किन्तु कटु सत्य तथ्य है कि सोशल मीडिया पर पनप रही नाबालिग बच्चों में सेक्स एवं अश्लील कृत्य की इस विकृत मानसिकता ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया है।

देश के स्कूली बच्चों में सेक्स एवं अश्लील मानसिकता का बढ़ता प्रचलन गंभीर चिन्ता का विषय है, एक त्रासदी है, विडम्बना है। ऐसे बहुत से बच्चों के ग्रुप सोशल साईट्स पर सक्रिय हैं जो अश्लीलता, अश्लील वेबसाइट्स और पोर्न फिल्मों में डूबे हैं। ज्ञान, नैतिकता एवं चरित्र का पाठ पढ़ने की उम्र में बच्चों का कामुक, अश्लील एवं विकृत सोच की अंधेरी राहों में अग्रसर होना भयावह एवं चिन्ताजनक तस्वीर को प्रस्तुत करता है।

विडम्बनापूर्ण तो यह है कि इस विकृत सोच ने अब मासूम बच्चों को भी अपनी जब्त में लेना शुरू कर दिया है। पहले जहां यह चलन बेहद सीमित था वहीं आज इसकी पहुंच घर-घर एवं स्कूल-स्कूल तक है। इंटरनेट की पहुंच ने पोर्न फिल्मों को आम फिल्मों की सूची में ला खड़ा किया है। एक सर्वेक्षण के अनुसार ब्रिटेन में बच्चे अब तेजी से पोर्न फिल्मों के आदी बनते जा रहे हैं और लगभग यही स्थिति भारत की है।

मदर टेरेसा ने कहा था, कुष्ठ या क्षय रोग नहीं, वर्तमान का सबसे बड़ा रोग है अवांछित होने का भाव। इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सऐप के फैलते जान ने जिस तरह से हमारी दुनिया को एक नया चेहरा दिया है, उसी तरह कुछ खास मानसिक विकृतियां भी पैदा की है। सोशल मीडिया अपने आम में रोग नहीं, लेकिन मनोवैज्ञानिक, शिक्षा-समाजशास्त्री इसे रोगों का घर मान रहे हैं।

बच्चों के बॉयज लॉकर रूम या गर्ल्स लॉकर रूम एवं उनकी अश्लील-कामुक दुनिया चरित्र एवं नैतिकता पर गंभीर प्रश्न बनकर विकृत समाज की संरचना का कारण बन रही है। इन सोशल मीडिया पर हुए अध्ययनों पर भरोसा करें, तो यहां सक्रिय बच्चें एवं युवा वृद्धावस्था के रोगों जैसे स्पोंडलाइटिस, ऑर्थ्राइटिस, मति-भ्रम, स्मृतिलोप, कामुकता और अस्थिरता आदि के शिकार हो रहे हैं। इंटरनेट पर ज्यादा समय बिताना नेत्र रोगों को तो निमंत्रण देता ही है, मोटोपा, अनिद्रा, इंटिंग डिसॉर्डर की समस्याएं भी इसी का परिणाम है। स्कूल नोटबुक भले

अपडेट न हो, लेकिन फेसबुक प्रोफाइल मुस्तैदी से अपडेट की जा रही है। अश्लील साइट्स, पॉर्न वीडियो और पल्प लिटरेचर की आसान उपलब्धता के चलते, बच्चे मनोविकारों का शिकार हो रही है। अब तनाव, अवसाद और इगो के साथ ही सेक्स अपराधों के नये चेहरे सामने आ रहे हैं, दुखद तो यह है कि इसमें बच्चें बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी कर रहे हैं। यह एक तरह का सोशल मीडिया एडिक्शन डिसॉर्डर और सोशल मीडिया ओवर यूज सिंड्रोम है।

बच्चों में बढ़ती कामुक एवं अश्लील सोशल मीडिया गतिविधियां उन्मुक्त होने एवं अश्लीलता की अंधी सुरंगों में उतरने का एक माध्यम है, जो समाज एवं राष्ट्र के लिये खतरनाक साबित होती जा रही है। सोशल मीडिया पर बच्चों की बढ़ रही सेक्स एवं अश्लीलता की गतिविधियों की नई पनप रही संस्कृति अनेक विकृतियों का सबब बन रही है, जिससे नाबालिग बच्चों को कामुकता एवं यौन के नये साधन एवं सोच उपलब्ध होते हैं। ये बच्चे देर रात तक कामुकता, अश्लीलता एवं सैक्स से भरपूर दुनिया में खोये रहते हैं और बचपन की मासूमियत को अपराध के सायो में धकेलते रहते हैं।

अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लोइटेड चिल्ड्रन का कहना है कि 1998 से 2017 के बीच, भारत से बच्चों की अश्लील तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट के द्वारा भेजे जाने के 38 लाख मामले सामने आए, जो कि पूरी दुनिया में इस तरह का सबसे बड़ा आंकड़ा है। सोशल मीडिया के बहुत ज्यादा उपयोग करने के घातक एवं नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव बच्चों पर ज्यादा पड़ रहे हैं। बच्चों पर सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा उपयोग करने का असर क्या पड़ रहा है, इस पर अनेक अध्ययन हो रहे हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन में निष्कर्ष निकला है कि जो बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग बहुत ज्यादा करते हैं, उनके मन में जीवन के प्रति असंतुष्टि का भाव ज्यादा रहता है। सोशल मीडिया पर लोगों को देख-देख कर बच्चों की आदत हो जाती है कि वे अपने अभिभावकों से अवांछित वस्तु या अवांछित इच्छाओं की पूर्ति की मांग भी करने लगते हैं। लगातार किए जा रहे अध्ययनों से यह निष्कर्ष निकला है कि सोशल मीडिया के उपयोग की अधिकता बच्चों के मन में नाखुशी भर देती है। पहले ऐसा लगता था कि बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं और वे अपनी इस दुनिया में खुश होंगे। ब्रिटेन के इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकॉनामिक्स द्वारा सोशल मीडिया यूज एंड चिल्ड्रन्स वेलबीइंग अध्ययन के दौरान 10 से 15 साल की उम्र के 4000 बच्चों से बातचीत की गई। जो निष्कर्ष निकला, वह यह था कि बच्चे सोशल मीडिया पर जितना समय बिताते हैं, वे उसी अनुपात में अपने घर-परिवार, स्कूल और जीवन के प्रति असंतुष्ट हैं।

जो बच्चे सोशल मीडिया पर कम समय खपाते हैं, वे जीवन के दूसरे पहलुओं के प्रति ज्यादा संतुष्ट नजर आए। सोशल मीडिया पर कम समय व्यतीत करने वालों को अपना स्कूल और माता-पिता ज्यादा पसंद थे। इस अध्ययन में एक और दिलचस्प बात सामने आई, वह यह कि सोशल मीडिया का उपयोग करने का असर लड़कों की तुलना में लड़कियों पर ज्यादा है। इसका कारण शायद यह है कि लड़कियां ज्यादा भावुक होती हैं। अध्ययन में यह भी पता चला है कि साइबर बुलीइंग छात्राओं के साथ अधिक मात्रा में होता है।

भारत में इस तरह के सिलसिलेवार अध्ययन बहुत ही कम हुए हैं। जो हुए हैं, उनकी रिपोर्ट भी सामने नहीं आई है, लेकिन अगर इस तरह के सर्वे और अध्ययन भारत में हों, तो यहां के नतीजे भी कोई बहुत अलग नहीं आने वाले। बच्चे को बढ़ती उम्र के साथ इंसानों की बजाए एक गैजेट से लगाव होने लगता है। वे उसे ही अपनी असली और सुरक्षित दुनिया समझने लगता है। फिर उसके मन से यह डर खत्म होने में ज्यादा देर नहीं लगती कि मुझे इंटरनेट पर सबकुछ कहन-करने और चर्चा करने की आजादी है।

बच्चों की बढ़ती उम्र के साथ काम इच्छा का उत्पन्न होना स्वाभाविक है। उनके मन में तरह-तरह के सवाल और ख्याल दस्तक देते हैं। ऐसे में अगर बच्चों को सही समय पर उपयुक्त जवाब न दिए जाएं तो वे राह से भटक सकते हैं। यह जिम्मेदारी मां-बाप और स्कूल के साथ शासन व्यवस्था की भी है। मां-बाप को जहां बच्चों को सही-गलत में स्पष्ट फर्क बताना होगा, वहीं शिक्षकों को सेक्स एजुकेशन के विषय को हल्के में टालने की आदत का त्याग करना होगा। रेप जैसे घिनौने ख्याल तभी जहन में आते हैं जब कोई पुरुष किसी महिला को कमजोर मानता है। चैट ग्रुप पर गैंगरेप की प्लानिंग करने वाले स्कूली छात्र इतने छोटे नहीं थे कि उन्हें पुलिस-अदालत और सजा के बारे में जानकारी नहीं थी। नागरिकों के मन में कानून का डर होने चाहिए कि अगर वो कुछ गलत करेंगे तो उन्हें सजा जरूरी मिलेगी। छात्रों को पता था कि उनकी चर्चा अपराध को अंजाम देने को लेकर थी। ऐसा न होता तो छात्र चैट के लीक होने के बाद ग्रुप को डिएक्टिवेट नहीं करते।

व्यंग्य

थमी जिंदगी डोर !

कट गये मजदूर ।
लापरवाही घोर ।।
रेलवे की पटरी ।
नींद आ गयी भोर ।।
ठप है पूरा भारत ।
खबर से अनजान ।।
मालगाड़ी पहिया ।
ले लेगा जान ।।
बेबस और लाचार ।
कूंच गांव की ओर ।।
सपना घर पहुंचना ।
थमी जिंदगी डोर ।।
जारी प्रतिक्रियाएं ।
स्वाभाविक जो आनी ।।
कोरोना की दहशत ।
सहमी जिंदगानी ।।

-कृष्णेन्द्र राय

ज्योर्तिविद पं. संजय शर्मा, ज्योतिष लेखक, ज्योतिष एवं वास्तु परामर्श , रत्न विशेषज्ञ एवं प्रेरक (मोटीवेटर)
11, न्यू एम.आई.जी. मुखर्जी नगर, एम.आर. 8, टेलीफोन ऑफिस के सामने- देवास म.प्र. 455001, 9424828545, 9893129882

आज का दिन

मेष- कार्यक्षेत्र में अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपके खर्चों में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं। विवादों से बचने का प्रयास करें। जल्दबाजी में बनते काम बिगड़ सकते हैं।

वृषभ- जीवनसाथी का प्रेम भरा साथ आपको चुनौतियों से निकालने में मदद करेगा। कारोबार में प्रगति होगी। जॉब में आपको काम करने की आजादी होगी।

मिथुन- गूढ़ विषयों के अध्ययन के प्रति रुचि जागृत होगी। समय आपके लिये काफी अनुकूल रहने वाला है। जॉब में प्रतिद्वंदिता बढ़ने की आशंका रहेगी।

कर्क- कारोबार में नयापन लाने का प्रयास करेंगे। विवाह सम्बन्ध आज तय हो सकता है। परिस्थितियाँ आपके अनुकूल रहेंगी। बच्चों के भविष्य की चिन्ता रहेगी।

सिंह- घर-परिवार में कठिनाइयाँ रहेंगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये दिन खराब है। लोग आपके विषय में गलत बातें करेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी।

कन्या- सामाजिक कार्यों में भाग लेंगे। निजी जीवन की कठिनाई दूर हो सकती है। बुरी संगत का त्याग करें। सोशल मीडिया में सक्रियता बढ़ेगी।

तुला- श्वास रोगियों को थोड़ा सतर्क रहना चाहिये। गलत बातें बोलने से परहेज करें। विरोधियों से सावधान रहें। लेन-देन के मामलों में सतर्कता बरतनी उचित होगी।

वृश्चिक- दाम्पत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। जॉब में परिवर्तन का विचार बनेगा। अधीनस्थ कर्मचारी आपकी बातों का अनुसरण करेंगे। निर्माण कार्यों में गति लाने की योजना बनायेंगे।

धनु- अपने दायित्वों से पीछे न हटें। अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें। आपके खर्चों में काफी बढ़ोत्तरी हो सकती है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मकर- कार्यक्षेत्र में पर्याप्त सफलता मिलेगी। नये अवसर आपके हाँथ लग सकते हैं। ऑफिस का माहौल काफी अच्छा रहेगा। उच्चाधिकारी आपने प्रसन्न रहेंगे।

कुम्भ- अधीनस्थ कर्मचारियों के व्यवहार से क्षुब्ध रहेंगे। आवश्यकता से ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। करीबी रिश्तेदार आपसे मदद की अपेक्षा रख सकते हैं।

मीन- किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। जॉब में आपकी ताकत बढ़ेगी। इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों को नयी जिम्मेदारी मिल सकती है।

परिवारिक कलह से क्षुब्ध, मानसिक तनाव में तरुन ने फांसी लगाकर दी जान

भाई ने छोटी भाभी पर अवैध संबंध होने का लगाया आरोप

प्रखर वाराणसी। पांडेयपुर स्थित सिंधी कॉलोनी निवासी तरुन ने शुक्रवार देर रात लगभग 11:30 बजे अपनी जीवनलीला फॉसी लगा कर समाप्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंधी कॉलोनी निवासी स्वर्गीय सतीश सावलानी उर्फ चेला मल के दो पुत्रो में छोटे पुत्र उम्र 37 वर्षीय तरुन सावलानी ने अपने घर के दुसरे तल्ले पर अपने कमरे के पंखे से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।तरुन कपड़े का व्यवसाय कर अपनी जीविका चलाते थे । उनको दो बच्चे हैं बड़ा पुत्र वैभव 7 वर्ष,बेटी भवनी 2 वर्ष। बड़े पुत्र दुर्गेश सावलानी के अनुसार तरुन सावलानी मकान के दूसरे तल पर पत्नी राधिका सावलानी उर्फ ज्योति और बच्चों के साथ रहता था। पिछले कई महीनों से तरुन पत्नी विवाद को लेकर काफी परेशान रहता था। पत्नी का किसी गैर मर्द के साथ अवैध संबंध होने के कारण पत्नी अपने बच्चों के साथ रानीपुर अपने मायके चली गई थी, बताया जाता है की यही उसका पुराना आशिक भी रहता था। तरुन ने कई बार पत्नी को लाने की कोशिश की लेकिन वह आई नहीं उल्टा तरुन को बच्चों की धमकी देते हुए पैसे भी मांगने लगी थी तरुण ने कई बार पत्नी को पैसे भी दिया। इस समय ढेढ़ महीने से लॉकडाउन के कारण घर पर बेरोजगार होने के बावजूद 8 मई शुक्रवार को अपने मित्रों से व कुछ संबंधियों से पैसे जुटाकर पत्नी व बच्चों से मिलने अपने ससुराल पैदल ही रानीपुर(महमूरगंज)गया था। वहां पर पत्नी ने दरवाजा तक नहीं खोला और बच्चों से भी मिलने नहीं दिया, यहां तक कि वहां पर बेइज्जत करके लौटा दिया। तरुन जब से वहां से लौटा था काफी परेशान व दुखी था और अपने कुछ मित्रों को फोन से रोते हुए आपबीती भी बताई थी। खाना पीना खाकर वह अपने कमरे में चला गया 1 घंटे बाद तरुन के कमरे से कुछ गिरने की आवाज सुनाई दी जिस पर हम सभी जब कमरे में पहुंचे तो देखा तरुन पंखे से लटक रहा था जिसके बाद तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को संपर्क किया गया।

पुलिस के आने के उपरांत आनन-फानन में तरुन को नीचे उतारकर कबीरचौरा हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने तरुन को मृत घोषित कर दिया।पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई करते हुए बॉडी को पीएम के लिए भेज दिया मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची थी।

कोरोना वारियर्स व पत्रकारों को किया सम्मानित

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सर्की चौकी पर शनिवार की दोपहर हीरावती चिकित्सालय के डायरेक्टर डा0 एमपी यादव ने अपने समस्त स्टाफ के साथ कोरोना वायरस से लड़ने वाले योद्धाओं पुलिस और पत्रकार को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। और संक्रमण से बचने के लिए सेंटराइजर व मास्क वितरित किया। संक्रमण से बचाव हेतु 40 परिवार में चिकित्सक ने मास्क और सेनटाइजर वितरित कर घर पर रहकर कोरोना को हराने की बात समझाया। इस अवसर पर सर्की चौकी प्रभारी मोरध्वज दूबे, पत्रकार संघ केराकत महामंत्री केतन विश्वकर्मा, बाबूलाल निषाद, सुदिष्ट नरायण सिंह, दया यादव राजबहादुर सिंह सहित आदि पुलिसकर्मी व पत्रकार पुष्पेन्द्र सिंह,अवनीश वर्मा समेत ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोनौली मे सोलह ट्रॅक चालको, परिचालकों की जांच रिपोर्ट आई निगेटिव

प्रखर महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज के सोनौली थाना क्षेत्र के कुनसेरवा में छः मई की दोपहर को सोलह व्यक्ति जिसमें ट्रक चालक और खलासी शामिल थे जिनको मेडिकल टीम ने एंबुलेंस में बैठाकर जांच के लिए महराजगंज ले गए थे जिंनकी प्राथमिक जांच होने के बाद आज उन सभी लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है जिसमें एक नौतनवा का निवासी रितेश जायसवाल भी शामिल था उसकी रिपोर्ट भी नेगेटिव आयी है इसे मिलाकर कुल सत्रह लोगों की रिपोर्ट नेगटिव आयी है और यह जनपद महराजगंज के लिए अच्छी खबर है। खबरों के मुताबिक छः मई दोपहर को सोनौली कोतवाल निर्भय सिंह को कोरोना सेल के चिकित्सकों ने खबर दिया कि एक ट्रेलर कुशीनगर से होते हुए सोनौली बॉर्डर नौतनवा होते हुए आ रहा है उक्त ट्रेलर से आए हुए व्यक्ति की जांच कुशीनगर में की गई है जो कोरोना पॉजिटिव पाया गया है उक्त सूचना पर सोनौली पुलिस हरकत में आ गयी थी और ट्रेलर चालक, खलासी सहित उसके साथ अन्य ट्रेलर के चालक और खलासी को पुलिस ने कुंनसेरवा बाई पास और मां बनेलिया मंदिर चौराहे के पास रोककर चिकित्सकों की टीम के हवाले कर दिया गया था जिसके बाद महराजगंज जिला अस्पताल में उनको जांच के लिए ले जाया गया और आज दिनांक नौ मई दिन शनिवार की सुबह ही उन सभी लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

कोरोना से हुई पत्रकार के निधन पर सीएम के शोक न जताने पर मीडियाकर्मियों ने उठाए सवाल

प्रखर खेतासराय जौनपुर। आगरा के वरिष्ठ पत्रकार की कोरोना से मौत के बाद पूरे सूबेभर में मीडियाकर्मियों में शोक का माहौल हो गया।निधन पर के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा मुआवजा तो दूर शोक संवेदना न जताने पर सीएम पर सवाल उठाते हुए आड़े हाथों लिया।मीडिया कर्मियों की बीमा सुरक्षा का एलान सरकार को तत्काल कर देना चाहिए।दिवंगत पत्रकार के परिजन को पचास लाख रुपया का सहायता भी दे कोरोना काल मे पुलिस, चिकित्सक और सफाई कर्मियों को सरकार ने कोरोना योद्धा का दर्जा देते हुए उन्हें लाखों रुपया का बीमा सुरक्षा का कवर दे रही है,जब कि कोरोना संक्रमित के दौर में मीडियाकर्मी अपनी जान का बाजी लगाकर न्यूज कवरेज कर आम लोगों को सूचना उपलब्ध कराता है।लेकिन पत्रकारों के सुरक्षा के लिए सरकार ने कोई कदम नही उठाया है।मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार हेमन्त तिवारी ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कई सवाल दागे।उन्होंने कहा कि बेहद अफसोस बात है कि दिवंगत पत्रकार की मदद की बात तो दूर शोक संवेदना के लिए भी समय है।यूपी सरकार पचास लाख रुपये की फौरी तौर पर मदद करने के साथ एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी सुनिश्चित करें। युवा पत्रकार यूसुफ खान ने ट्वीट कर शोक जताते हुए है कहा कि क्या पत्रकार की जान की कोई कीमत नही है ?पत्रकारों की सुरक्षा बीमा के लिए सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए।

श्रमिको के घर वापसी के लिए अजीत सिंह ने प्रदेश के श्रम मंत्री से की बात

प्रखर चन्दवक जौनपुर। देश मे कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन लगे हुये 46 दिन हो गए ऐसी स्थिति में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के जहा सबसे अधिक मजदूर देश के अन्य शहरों में अपनी रोजी रोटी के लिए जाते है देश मे जब से लॉकडाउन लगा हुआ है तब से मजदूरों के सामने सबसे बडी समस्या खाने पीने की हो गई हैं । ऐसी स्थिति में चन्दवक थाना अंर्तगत बोडसर निवासी समाजसेवी अजीत सिंह"डोभी "ने मजदूरों के हर सम्भव मद्दत के लिए आगे आये आये दिन मजदूरों की बेवसी को लेकर टीवी चैनलों पर खबर दिखाई जा रही वही महाराष्ट्र के जालौन से औरंगाबाद रेलवे की पटरी पर 16 मजदूरों की दर्दनाक मौत हर किसी के दिल को दहला दिया आगे ऐसी घटना ना हो जिसको लेकर अजीत सिंह ने प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या से टेलीफोनिक वार्ता कर मजदूरों के हो रही समस्यायों से अवगत कराएं और

उनसे निवेदन साथ अन्य प्रदेशों में फसे मजदूरों के सकुशल वापसी की मांग की इससे पहले भी हेल्पलाइन नंबर 9711496114 अजीत सिंह के द्वारा जारी किया गया था जिस पर घर वापसी को लेकर अनगिनत लोगो ने फोन कर घर वापसी की मांग की।

देश के हर कोने में अभी भी 25 लाख मजदूर फसे हैं– एक महीने में घर वापसी के लिए रोज 70 ट्रेने चलानी पड़ेगी। जब अजीत सिंह से टेलीफोनिक वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि मंत्री जी से मजदूरों के को लेकर हर पहलू पर बात की गई और मंत्री जी हर गॉव में कितने लोग अन्य प्रदेशों में फसे हैं जनप्रतिनिधि के द्वारा एक सूची बनाई जाय जिससे कितने लोग अन्य प्रदेश में फसे पता कर के उन्हें वापस लाया जाय उन्होंने बताया कि आज सबसे बड़ी समस्या ये हैं कि अभी भी देश के हर कोने में लगभग 25 लाख मजदूर फसे हुए है अगर सरकार को उन्हें वापस लाना है तो रोज 70 ट्रेने चलानी पड़ेगी तब जाकर मजदूरों की वापसी एक महीनों में संभव है।

श्री कृष्णा फाउंडेशन को कोरोना वैरियर उपाधि से सम्मानित किया गया

प्रखर लखनऊ। श्री कृष्णा फाउंडेशन (समाज सेवी संस्था) जो कि समाज के प्रति निश्वार्थ भाव से कई वर्षों से लगातार कार्य करती चली आ रही है। संस्था के अध्यक्ष श्री पवन कुमार सोनी आमजन मानस के लिए सदैव अपना योगदान देते रहते हैं। फिर चाहे वह आमजन तक भोजन हो या राशन की पैकेट या पत्रकार बन्दुओं का सम्मान हो या सफाई कर्मियों का सम्मान या समाजसेवियों का सम्मान हो ऐसे कार्यों को संस्था करती रहती है। लॉक डाउन में संस्था द्वारा आमजन तक भोजन की पैकेट एवं कच्चा रासन जरूरतमंदों तक पहुंचना अपना कर्तव्य समझ कर कार्य करती चली आ रही संस्था को सोशल वेलफेयर ट्रस्ट गाजीपुर द्वारा कोरोना वैरियर उपाधि से संस्था के अध्यक्ष श्री पवन कुमार सोनी को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

नोडल अधिकारी ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। कोविड-19 हेतु राज्य स्तर से जनपद के नोडल अधिकारी बनाए गए परियोजना निदेशक, सामान्य प्रशासन एवं एचआरडी, उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंध प्राधिकरण, ओ.पी. राय द्वारा नगर पालिका परिषद जौनपुर में चलायी जा रही कम्युनिटी किचन, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज शेल्टर होम, प्रसाद इंस्टिट्यूट में बनायी गयी अस्थायी जेल व कम्युनिटी किचन, कलेक्ट्रेट में स्थित कंट्रोल रूम, तहसील सदर में स्थित कम्युनिटी किचन का मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला एवं मुख्य राजस्व अधिकारी डॉक्टर सुनील वर्मा के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी द्वारा शेल्टर होम की व्यवस्था तथा कम्युनिटी किचन में बनाए जा रहे हैं भोजन की गुणवत्ता पर संतोष जाहिर करते हुए प्रशंसा की।

भाजपा कार्यकताओं ने फूलवरियां मे सैनिटाइजर कराया

प्रखर वाराणसी। भाजपा के कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी व सांसद कैबिनेट मंत्री महेन्द्रनाथ पाण्डेय को प्रेरणा स्वरुप शिवपुर विधान के ग्रामसभा फुलवरियां में सेनीटाइज का कार्य किया गया। क्योंकि सुखा राशन,पका भोजन,हरी सब्जी से पेट भरा जा सकता है,परन्तु कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को हराने के लिए साफ-सफाई भी अनिवार्य है। इसी के तहत भाजपा के कार्यकताओं ने राहत सामग्री वितरण के साथ पूरे क्षेत्र में प्रतिदिन सेनीटाइज करने का निर्णय लिया है। सेनटराइज के इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिला कार्य समिति भाजपा/पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा, राकेश पाण्डेय,दुर्गेश,अरुणीचन्द्र सिंहा,श्याम सुन्दर विश्वकर्मा,गोविन्दा पाण्डेय उपस्थित रहें।

जफराबाद पुलिस द्वारा अपहरण के मुकदमें का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक, महोदय, जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक, नगर महोदय के निर्देषन एवं क्षेत्राधिकारी नगर एवं थानाध्यक्ष जफराबाद के कुषल पर्यवेक्षण में चैकी प्रभारी उ0नि0 वरूणेन्द्र राय थाना जफराबाद मय हमराह द्वारा मुखबीर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 1262/17 धारा 363 भादवि व 7/8 पाक्सों एक्ट से सम्बन्धित दिनांक 24.12.2017 से लगातार वांछित चल रहे अभियुक्त मुनीष हाषमी पुत्र असलम हाषमी नि0 नासही, कस्बा जफराबाद थाना जफराबाद जौनपुर को दिनांक 08.05.2020 को समय करीब 19.06 बजे जो कही भागने की फिराक में था को टाटा मोटर्स, मिसिरपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-उ0नि0 वरूणेन्द्र राय, प्र0चैहे0का0 बद्रीनाथ मौर्या, हे0का0 अजय सिंह यादव, थाना जफराबाद, जौनपुर।

एनसीसी छात्रों द्वारा आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड हेतु लोगों को किया जागरूक

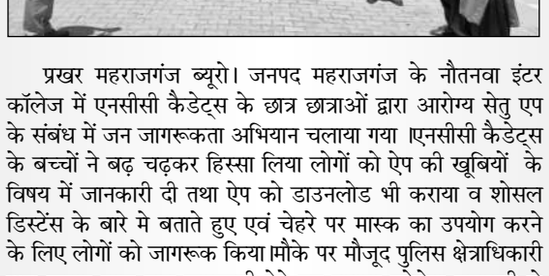

प्रखर महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज के नौतनवा इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के छात्र छात्राओं द्वारा आरोग्य सेतु एप के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाया गया ।एनसीसी कैडेट्स के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लोगों को ऐप की खूबियों के विषय में जानकारी दी तथा ऐप को डाउनलोड भी कराया व शोसल डिस्टेंस के बारे मे बताते हुए एवं चेहरे पर मास्क का उपयोग करने के लिए लोगों को जागरूक किया।मौके पर मौजूद पुलिस क्षेत्राधिकारी राजू कुमार साव द्वारा जानकारी देते हुए बताया कोरोना महामारी से बचाव एवं स्वमूल्याकन हेतु भारत सरकार द्वारा आरोग्य सेतु ऐप को विकसित किया गया यह एक आधुनिक ऐप है जो कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे से नागरिकों की मदद करता है।

शिक्षकों द्वारा 330000 की राहत सामग्री सोपी गई

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा जौनपुर के आह्वान पर बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों द्वारा स्वेच्छा से सहयोग राशि प्रदान की गई है। जिला पूर्ति अधिकारी से वार्ता करके सम्मानित शिक्षकों से प्राप्त सहयोग राशि रुपए 3,30000 से आवश्यकतानुसार राहत सामग्री क्रय करके जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह को उपलब्ध करायी गयी, जिसमे अरहर दाल 22 कुंतल, आलू 10 कुंतल, चीनी 17.5 कुंतल, 10 कुंतल प्याज, तेल सरसों 30 बॉक्स, (360 ली), नमक 57 बोरी, मसाला 3600 पाउच सम्मिलित है। उक्त राशन को पैक करने हेतु 2000 पैकिंग बैग भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लाल साहब यादव, कोषाध्यक्ष रामदुलार यादव, संयुक्त मंत्री वीरेंद्र प्रताप सिंह, मंत्री रवि चंद्र यादव उपस्थित रहे।

सुजीत की बनाई पेंटिंग खूब हो रही वायरल

पेंटिंग से कोरोना के प्रति कर रहे जागरूक

प्रखर खेतासराय जौनपुर। घरों में रहकर इन दिनों छात्र-छात्राएं तरह-तरह की पेंटिंग तैयार कर रहे हैं। पेंटिंग के माध्यम से लोगों को कोरोना वायरस से बचने का संदेश भी दे रहे हैं। इसी क्रम में क्षेत्र के पोरई खुर्द निवासी छात्र सुजीत गोंड ने कोरोना से बचाव के लिए मास्क व साफ सफाई की महत्ता पर शानदार पेंटिंग तैयार की है। जिसे उन्होंने सोशल साइडों पर भी अपलोड किया है। उनके द्वारा तैयार पेंटिंग को कई लोग लाइक कर चुके हैं।कोरोना जैसी महामारी के संकट काल में अपनी रचनाओं द्वारा लोगों तक अच्छे संदेश पहुंचाने और इससे बचने के उपाय लिए पेंटिंग बनाकर लोगो को जागरूक कर रहे सुजीत कुमार गोंड महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय ,वाराणसी के मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स के छात्र है। उनके पिता ओमप्रकाश गोंड एक किसान है।और अपने बेटे को

एक बड़े मुकाम पर देखना चाहते है।आप को बताते चले कि सुजीत गोंड काशी कार्यशाला आर्टिस्ट ग्रुप के सदस्य भी है।जिनके द्वारा वाराणसी में नगर निगम स्वच्छ भारत स्वच्छ काशी के तहत दीवारों पर जागरूकता के लिए बनाई गई पेंटिंग पूरे देश मे काफी लोकप्रियता बटोरी थी।

उपरोक्त पेंटिंग में दिखाया गया है कि उपरोक्त पेंटिंग के माध्यम से यह दिखाया गया है कि आप घर में ही रहे और सुरक्षित रहें घर से बाहर जाएंगे एक तरफ पुलिस से बचेंगे दूसरी तरफ करो ना आपका इंतजार कर रहा हूं।जो घर में है किस तरह से सुरक्षित है जो बाहर जा रहे हैं उनको कोरोना का शिकार होना पड़ रहा है ।

सामाजिक कार्यकर्ता अर्पित ने अपने जन्मदिन पर देहदान का संकल्प लेकर पेश की अनूठी मिसालमजदूरों को राजनैतिक हथियार ना बनाए कांग्रेस- रवि मिश्रा

प्रखर डेस्क। भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन के महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता रवि मिश्रा ने कहा है कि, रेलवे ने 85 परसेंट के सब्सिडी के साथ राज्य सरकारों को प्रवासी मजदूरों के लिए टिकट उतनी ही संख्या में उपलब्ध कराया गया जितने प्रवासी मजदूरों को ट्रेन से भेजना था !भारतीय रेलवे ने 15 परसेंट किराया राज्य सरकारों को चुकता करने के लिए कहा है, ना कि गरीब मजदूरों से वसूलने के लिए। एक तरफ कांग्रेस शासित राज्यों में मजदूरों से पैसा वसूला गया तो वहीं कांग्रेस हाईकमान श्रीमती सोनिया गांधी ने मजदूरों के किराया वापस करने की घोषणा कर दी है जबकि मजदूर किन परिस्थितियों में किराया जमा किये होगे इस राष्ट्रीय आपदा के समय में इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। मजदूरों के प्रति यदि सच्ची सहानुभूति होती तो कांग्रेस कांग्रेस शासित सरकारों को पहले ही मना कर देती मजदूरों से किराया लेने के लिए क्योंकि टिकट वितरण तो नोडल अधिकारी (जो कि प्रदेश सरकार द्वारा नियुक्त है) को सौंपा गया था! मगर ऐसा न करके कांग्रेस को तो इस राष्ट्रीय आपदा में भी राजनीति चमकानी है! गरीबों और मजदूरों के कंधे पर बंदूक रखकर केंद्र सरकार पर निशाना साधने का प्रयास किया गया! विगत 6 वर्षों के शासनकाल में मोदी सरकार गरीबों, मजदूरों और मजबूरों के प्रति संवेदनशील रही है। गरीबी हटाओ के नाम पर कांग्रेस अनादिकाल से राजनीति करते आ रही है! मगर गरीबी ना तो श्रीमती इंदिरा गांधी हटा पायीं ना ही श्री राजीव गांधी हटा पाए और ना ही श्री नरसिंहा राव जी और ना ही डॉ मनमोहन जी की सरकार हटा पाई। कांग्रेस ने गांव -गरीब को सड़क और सूचना से भी काट कर रखा ताकि इनको वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते रहे। श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार ने सूचना और सड़क से जोड़कर गांव गरीबों के जीवन स्तर को संवारने का काम किया तो वहीं उज्जवला गैस कनेक्शन, शौचालय ,किसान सम्मान निधि ,आयुष्मान भारत और गरीबों को पक्का मकान देकर मोदी सरकार ने उनके जीवन स्तर को सुधारने का यशस्वी प्रयास किया है! कांग्रेस और कांग्रेसियों को आत्म चिंतन और मंथन करने की नितांत आवश्यकता है और आगाह करता हूं कि गोर- गरीबों और मजदूरों को राजनैतिक हथियार ना बनाएं अन्यथा उचित समय आने पर भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शांत प्रकाश जाटव जी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री राजीव चौहान जी के नेतृत्व में जन आंदोलन किया जाएगा।

ट्रेन से आने वाले लोगों को समाजसेवी दिलीप तिवारी की तरफ से निशुल्क मास्क वितरित किया गया

प्रखर जौनपुर। समाजसेवी दिलीप तिवारी द्वारा जनपद जौनपुर में ट्रेन से आने वाले लोगों को भंडारी रेलवे स्टेशन पर मुक्त मास्क वितरित किए ट्रेन से आये लोगों को 1200 मास्क मुफ्त दिए गए। दीलिप तिवारी के द्वारा अब तक जनपद में सवा लाख मास्क वितरित किया जा गया है और

गए। श्रमिक एक्सप्रेस द्वारा जो लोग जनपद में आ रहे हैं, जिसमें विभिन्न जनपदों के श्रमिक तथा अन्य लोग शामिल है उनको समाजसेवी दिलीप तिवारी द्वारा शुक्रवार को 1900 तथा आज शनिवार को सुबह अन्य जनपदों में वितरण का कार्य शुरू कर दिया है जिस समय सभी कम्पनी कमाने के चक्कर में पड़ी उस समय इन्होंने देश हित में कार्य किया इस के लिए ये जनपद में चचाओं में बनें है।

सामाजिक कार्यकर्ता अर्पित ने अपने जन्मदिन पर देहदान का संकल्प लेकर पेश की अनूठी मिसाल

प्रखर वाराणसी। आज के युग में समय के साथ लोगो में बहुत से उन जरूरी मुद्दों पर जागरूकता बढ़ती जा रही जो समाज की रूढ़िवादी सोच या जानकारी के अभाव के कारण समाज में खुलकर बातें नही हो पाती और लोग उनपर निर्णय नही ले पाते। लेकिन आज उत्तर भारत में जिस गति से नेत्रदान करने वाले लोगो की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, उससे स्पष्ट है की लोग मेडिकल साइंस को समझ रहे है और उस पर काम करने वाले लोगो के सहयोग की ओर भी बढ़ रहे है, जिसमे नेत्रदान भी एक बड़ा बदलाव है जो समाज के एक बड़े हिस्से को जो किसी कारणवश अपनी आँखों की रोशनी खो चुके है। उनकी रोशनी लौटाने का काम कर रहा है। लेकिन आज भी दक्षिण भारत की तुलना में उत्तर भारत में मरणोपरांत देहदान करने वाले लोग गिने-चुने ही है। उसी सन्दर्भ में 9 मई शनिवार को वाराणसी के निवासी अर्पित गिरी ने अपने जन्मदिवस पर इस अनूठी मुहिम को शुरू किया है । अर्पित ने अपने 25 वे जन्मदिवस पर देहदान का फॉर्म भरकर मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया है। अर्पित गिरी ने बताया की समाज में आज भी लोग नेत्रदान तक ही समिति रह जाते है, जबकि अस्पतालों में दाखिल सैंकड़ो मरीज ऐसे होते है जिनको हम एक नई जिंदगी दे सकते है। भारत सरकार ने फरवरी १९९५ में "मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम" पारित किया है जिसके अन्तर्गत अंगदान और मस्तिष्क मृत्यु को कानूनी वैधता प्रदान की गई है । घर में मृत्यु होने के बाद केवल नेत्र और ऊतकों को प्रत्यारोपण हेतु निकाला जा सकता है। जबकि ब्रेन डेड होने की स्तिथि में शरीर के अनेक अंगों को किसी जरूरतमंद के शरीर में प्रत्यारोपित कर उसको नई जिंदगी दी जा सकती है। इसी के साथ साथ हम ऐसा करके मेडिकल स्टूडेंट्स की भी मदद करते

है , समाज को कुशल चिकित्सक देने के लिए उसको मानव शरीर रचना का पूरा ज्ञान होना जरूरी है। जो मृत शरीर पर परीक्षण द्वारा ही संभव है इसके लिए देहदान मृत्यु उपरान्त संपूर्ण शरीर का दान बहुत जरूरी भी हो जाता है । अगर हम वास्तव में सभ्यता का विकास चाहते है तो शरीर के सभी भागो की रचना का अध्ययन चिकित्सा छात्रो के किये जाने के बाद म्यूजियम स्पेसिमेन तैयार किये जाते है, जिससे इनका उपयोग भविष्य में भी रिसर्च के लिए किया जा सके। हड्डियां भी रिसर्च के लिए प्रयोग में लाई जाती है। इसी उद्देश्य से मैंने आज ये संकल्प लिया है।

एक तरफ देखा जा रहा है उत्तर भारत तो दक्षिण भारत की तुलना में हम इस मामले में बहुत पीछे चल रहे है। वर्ष 2014 में दिल्ली में सिर्फ 2 हार्ट ट्रांसप्लांट हुए थे, जबकि अकेले चेन्नई में उस साल कुल 35 हार्ट ट्रांसप्लांट हुए थे। हमारे यहाँ इसमें हमारी रूढ़िवादी सोच सबसे बड़ा रोड़ा साबित होती है। उसके बाद अस्पतालों, प्रसाशन की तरफ से भी इस बारे में जागरूकता अभियान नही चलाएं जाते है। अर्पित ने बताया की मैंने एक सरकारी हॉस्पिटल में एक बच्चे को देखा जिसके दिल में छेद होने की वजह से उसका ज्यादा समय तक जीवित रहना सम्भव नही था, हार्ट ट्रांसप्लांट कर बच्चे को नई जिंदगी दी जा सकती थी, लेकिन ऐसा कोई बंदोबस्त वह परिवार नही कर पाया ओर वो बच्चा नही बच पाया।," तभी मैंने मरणोपरांत देहदान का निर्णय ले लिया था, मैं चाहता हूँ कोई भी परिवार अपना बच्चा इस तरह की बेबसी में न खोए की वो गरीब है वो जागरूक नही है वो करें क्या, ये सब चीजें किसी को जीवन देने के आड़े नही आनी चाहिए । अस्पतालों में ही इसकी व्यवस्था हो सकती है अगर सब लोग ब्रेन डेड पर अपने ऑर्गन देने को सहमत हो जाएं और इस तरह हम कितने ही साल जीवित भी रह सकते है ओर कितने ही टूटते परिवारों को बचाया जा सकता है।

घायल पुजारी की इलाज के दौरान मौत, गांव बनी छावनी

प्रखर जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जवंसीपुर गांव में मंगलवार को बच्चों के खेलने को लेकर विवाद में उसी रात मुस्लिम वर्ग के लोगों द्वारा किये गए हमले के दौरान घायल पुजारी बद्री पटेल 50 वर्ष की इलाज के दौरान बीएचयू ट्रामा सेंटर वाराणसी में शुक्रवार की देर रात्रि मौत हो गयी। वहीं फिर से गाँव मे तनाव का माहौल व्याप्त है।

जवंसीपुर गाव में तनाव को देखते हुए शांति व्यवस्था को कायम रखने के लिए सर्किल के सभी थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। जवंसीपुर गांव के बच्चे मंगलवार की दोपहर में खेल रहे थे। खेल के दौरान ही दो वर्गों के बच्चों में विवाद हो गया। गांव के संभ्रांत लोगों के समझाने पर बच्चे घर चले गए। उसी रात एक वर्ग से करीब 50 की संख्या में लोगों ने पटेल बस्ती में पहुंचकर पुजारी के घर में घुसकर जमकर मारपीट करने लगे।

मारपीट के दौरान महेश पटेल 30 वर्ष, बद्री पटेल 50 वर्ष, मुन्ना पटेल 20 वर्ष को गंभीर चोटें आईं थी। वहीं परिजनों की चीख-पुकार सुनकर अन्य लोग भी दौड़े तो हमलावर भाग गए। घटना की सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज महेश सिंह ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र रामनगर भेजा। जहां बद्री पटेल की गंभीर हालत देखते हुए डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से हालत में सुधार ना होने के कारण बेहतर उपचार के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया गया जहाँ शुक्रवार की देर रात उपचार के दौरान अधेड़ पुजारी की मौत हो गई। वहीं गाँव में तनाव को देखते हुए एएसपी ग्रामीण संजय राय, एडीएम रामप्रकाश, क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विजय सिंह, क्षेत्राधिकारी मछलीशहर अवधेश शुक्ला, उपजिलाधिकारी मडियाहू कौशलेंद्र मिश्रा, तहसीलदार सुदर्शन राम सहित सर्किल के सभी थानों की फोर्स व दो प्लाटून पीएससी फोर्स मौके पर पहुंच गए।

ग्राम प्रधान मुन्ना सिंह सहित अन्य लोगों के समझाने व उच्चाधिकारियों द्वारा 5 लाख रुपये किसान दुर्घटना बीमा योजना के तहत देने व परिजनों के नाम जमीन पट्टा करने के आश्वासन पर परिजन वाराणसी जाकर अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार हो गए। परिजनों को उच्चाधिकारियों ने निजी वाहन से वाराणसी के लिए भेज दिया। मड़ियाहूं विधायक डा. लीना तिवारी द्वारा मृतक के परिजनों को 10000 रुपये का सहयोग राशि दिया गया।

एस.के. नेशनल कान्वेंट स्कूल में कोरोना योद्धा के रूप में एसओ, एसआई एवं पुलिसकर्मियों का किया गया सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के महेन्द स्थित एस.के. नेशनल कान्वेंट स्कूल में कोरोना वायरस से बचाव के लिए देश में लागु लाकडाउन में निरन्तर दिन रात अपनी सराहनीय सेवा देने के लिए

करीमुद्दीनपुर पुलिस का कोरोना योद्धा के रूप में स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबन्धक अब्दुल कादिर खान एवं प्रिंसिपल साईमन वार्ला के द्वारा थानाध्यक्ष दिव्यप्रकाश सिंह, एसआई पवन सिंह, एसआई रविन्द्रनाथ राय, एसआई संदीप कुमार एवं समस्त पुलिसकर्मियों का अंगवस्त्रम एवं सेनेटाईजर भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अब्दुल कादिर खान ने लाकडाउन में शासन प्रशासन की सराहना करते हुवे करीमुद्दीनपुर पुलिस की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुवे कहा की आप लोंगो की इस लाकडाउन में बहुत ही सराहनीय सेवा है। आप सभी दिन को दिन एवं रात को रात नहीं समझे। आप सभी की अनवरत एवं अथक मेहनत का परिणाम है की यह क्षेत्र बिल्कुल सुरक्षित है। आपकी तत्परता से लाकडाउन में बहुत परिवारों को दोनों समय भोजन मिलता रहा। क्षेत्र के सभी गरीब, असहाय, बेबस एवं लाचारो का चुल्हा दोनों समय जलता रहा। क्षेत्रवासी जब जब लाकडाउन को याद करेंगे तो निःसंदेह आप सभी भी याद किये जायेंगे।

संक्षिप्त खबरें

गैर इरादतन हत्या में वांछित युवक गिरफ्तार

प्रखररामपुर जौनपुर। रामपुर पुलिस टीम ने सूरजपुर उपाध्याय पुत्र शोभभनाथ उपाध्याय निवासी आशानंदपुर बेहरा थाना रामपुर को क्षेत्र के ही बंसीलाल इंटर कॉलेज के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है उक्त युवक कुछ दिन पूर्व ही गांव में हुई मारपीट के दौरान युवक की मौत के मामले में वांछित चल रहा था जिनमें 5 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई थी और पुलिस ने मुकदमा लिखा था इस मामले में पुलिस पहले ही तीन लोगों को जेल भेज चुकी है एक युवक अभी भी फरार बताया जा रहा है।

लॉकडाउन में ऑनलाइन कक्षाएं ही बच्चों का सहारा

प्रखर वाराणसी। चोलापुर मे कोरोना वायरस के कारण लगभग 2 माह से स्कूल बंद है जिससे कि बच्चों के साथ-साथ अभिभावको का भी बच्चे की पढ़ाई को लेकर चिंता बढ़ गई है जिसको देखते हुए स्कूल प्रशासन ने बच्चों को पढ़ाने के लिए ऑनलाइन कक्षाए चलाने की भी शुरूआत कर दी है जिससे कि बच्चों की शिक्षा में कोई व्यवधान उत्पन्न ना हो बच्चों का ऑनलाइन क्लासेज चलाने के लिए अध्यापक के द्वारा इंस्ट्राग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया के माध्यम से बच्चों की कक्षाएं चला रहे हैं जिससे बच्चो की सिलेबस लॉकडाउन के कारण ना छूटे वही चोलापुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में ऑनलाइन पढ़ रहे मुकुंद राय,अर्पित सिंह,महिमा राय, उमंग सिंह,तृप्ति सिंह से बात की गई तो इनके द्वारा बताया गया कि हम लोगों की कक्षाएं पहले से ही तय होती हैं कि कितने बजे से कितने बजे तक पढ़ाया जाएगा और कौन सा सिलेबस आज चलेगा जिसके लिए हम लोग समय को ध्यान में रखते हुए मोबाइल व लैपटाप लेकर बैठ जाते हैं और हम लोगों की कक्षाएं चलती हैं थोड़ा सा दिक्कत सर्वर और नेट को लेकर आती है जिससे कि हम लोगों को पढ़ाई गई कुछ चीजें समझ में नहीं आ पाती लेकिन हम लोग आपस में एक-दूसरे दोस्त से फोन से बात करके समस्याओं को दूर करने का भी प्रयास करते हैं।

सफाई कर्मी को पीटा

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत क्षेत्र के अमहित ग्राम स्थित भगवत इंटर कॉलेज पर वर्तमान में उक्त ग्राम में बाहर से आए कार्यरत मजदूर व लोगों को कुरन्टीन किया जा रहा है।जिसमें साफ सफाई की ड्यूटी पल्ला सरोज निवासी अमहित की लगाई गई है।रात्रि में पल्ला सरोज वहीं पर स्टे करता है। रात्रि में ही कुछ मनबढ़ युवक दारु पीने के लिए इंटर कॉलेज के बाउंड्री में घुस गए मना करने पर पल्ला सरोज के साथ मारपीट की जिसकी शिकायत केराकत कोतवाली में पल्ला सरोज ने करते हुए 2 लोगों के खिलाफ नामजद एफ आई आर किया है।

विवाहिता के पिता ने बेटी को जलाकर मारने का लगाया आरोप

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत क्षेत्र के मुरारा में हेमा गिरी पत्नी सूरज गिरी उम्र लगभग 22 वर्ष जिसकी शादी पिछले वर्ष हुई थी जिसकी खाना बनाते समय चार दिन पूर्व बुरी तरह जल जाने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी।जिसमे विवाहिता के पिता ने कोतवाली में तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि लड़की के ससुर रमेश गिरी 56 स्व राजदेव गिरी निवासी मुराराा,विवाहिता की सास सुमन गिरी 52 पत्नी रमेश गिरी व ननद रीति गिरी 40 ने ही मिलकर हमारी पुत्री को जलाकर मारा है।जिसपर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने महिला पुलिस की सहायता से तीनों को गिरफ्तार कर चलान कर दिया।विवाहिता का पति सूरज बाहर रहकर अपनी आजीविका चलाता है।

ट्रक के जोरदार टक्कर से मकान क्षतिग्रस्त

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत के सिहौली ग्राम चौराहा थानागद्दी रोड पर एक ट्रक ने जबरदस्त टक्कर मोटरसाइकिल को मारते हुए मकान में जा घुसी पुलिस प्रशासन ने तत्परता दिखाते तुरंत ही सिहौली चौराहे पर पहुंच गई । मोटरसाइकिल पर सवार लोगों में से एक व्यक्ति को ज्यादा चोट आई है। जिसे पुलिस ने तुरंत सामुदायिक केंद्र पहुंचाया जहाँ उस व्यक्ति का इलाज चल रहा है। ट्रक ड्राइवर और सहयोगी उन दोनों को भी मामूली चोटे लगी ट्रक ने मकान में काफी जोरदार टक्कर मारा है जिससे मकान पूरा क्षतिग्रस्त हो गया है।

सुभासपा संगठन मंत्री रवि सिंह ने किसानों की समस्या को उठाया

प्रखर वाराणसी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के वाराणसी मंडल संगठन मंत्री रवि सिंह ने कहा की आज जब हमारे देश के अन्नदाता किसान ही खुश नहीं रहेंगे तो देश कैसे खुश रहेगा सरकार ने देश की तमाम कल कारखाने दुकाने फैक्ट्रियों को चलाने का आदेश दिया वहीं दूसरी तरफ देश के अन्नदाता किसानों की स्थिति की तरफ कोई भी विशेष ध्यान नहीं दे रही फल फूल व सब्जी मंडी या तो बंद है या तो रात्रि के पहर में ही चालू किया जा रहा है समय की अवधि सही ना होने की वजह से हरी सब्जी के दुकानदार व फल विक्रेता मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं यदि पहुंच भी रहे हैं तो उनको यह भी डर है कि उनके द्वारा खरीदी गई सब्जी फिक्स समय अवधि में आज पूरी बिकेगी या नहीं वह खरीदारी से भी डर रहे हैं इसी वजह से हरी सब्जियां उगाने वाले किसान मौसमी फल या तो खेतों में ही खराब हो रहे हैं या तो फिर फल व सब्जी के सट्टी में आकर भी उचित मूल्य नहीं मिल पाए जिसका खामियाजा केवल और केवल किसान ही भुगत रहा है ।

दिहाड़ी मजदूरों, जरूरतमन्दों बाहरी छात्रों में बाटे राशन

प्रखर वाराणसी। बनारस श्रीजन चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बाहर से आकर काम करने वाले दिहाड़ी मजदूरों तथा बाहर से आकर पढ़ने वाले छात्र जो कि किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करते हैं तथा जरूरतमंद लोगों को भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य किशोर महाराज के द्वारा राशन सामग्री वितरित किया जा रहा है। आचार्य श्री किशोर ने बताया कि संस्था बाहर से आए दिहाड़ी मजदूरों व बाहर से आए छात्रों के लिए राशन सामग्री की कमी नहीं होने देगी। उन सभी जरूरतमन्दों तक हमारे संस्था के लोग द्वारा राशन किट पहुँचा रहे हैं। और कुछ परिवारों का लगातर ध्यान देकर समय पर उनतक जरूरत की वस्तुएं पहुँचायी जा रही,जब तक स्थिति सामान्य न हो जाये। संस्था के ट्रस्टी धैर्यशील माहेश्वरी,सुमित तथा अभिषेक दुबे शिवम् ,पार्षद पुन्नूलाल बिंद व ऋषिदेव के सहयोग से लगातार जरूरतमन्दों तक राशन पहुँचा रहे हैं।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने आयोजित की शोक सभा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में सिबिल बार संघ गाजीपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं जनपद के तेजतर्रार एवं वरिष्ठ अधिवक्ता 83 वर्षीय ओम प्रकाश वर्मा के निधन पर शोक सभा का आयोजन कर महासभा के कार्यकताओं द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

कहा कि वह दीवानी मामलों के बहुत ही तेज अधिवक्ता थे। वह कुछ समय तक शासकीय अधिवक्ता भी रहे। वह जनपद के सामाजिक एवं राजनैतिक गतिविधियों में में भी काफी सक्रिय रहे। उनके निधन से कायस्थ समाज ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज में शोक व्यक्त व्याप्त है।

मजदूरों का संगठन कर रहा है लोगों की मदद

प्रखर वाराणसी/रोहनिया। कोरोना महामारी के चलते लाक डाउन 3 हो जाने के कारण गरीब असहाय मजदूर तबका बेहाल व परेशान हो गया है रोज कमाने खाने वालों की पेट की आग कौन बुझाएगा सरकार लगातार कोशिशें कर रही है । लेकिन असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों एवं दिहाड़ी मजदूरों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है,सरकार द्वारा दिये जा रहे राशन से पेट तो भर जा रहा है लेकिन मजदूरों को काम करने हेतु जितनी कैलोरी चाहिए वो नही मिल पा रहा है। लिहाजा मनरेगा मजदूर यूनियन और आशा ट्रष्ट के तत्वाधान में यूनियन के संयोजक सुरेश राठौर की अध्यक्षता में आराजी लाइन ब्लॉक के मजदूर वंचित समाज के लोगों को खाद्य सामग्री का वितरण लगातार जारी है। जानकारी देते हुए सुरेश राठौर ने बताया कि देश जहां एक तरफ कोरोना वायरस जैसी महामारी से जूझ रहा है केंद्र सरकार द्वारा 17 मई तक लॉक डाउन कर दिया गया है जिसका हम सभी पालन कर रहे है। सरकार अपने स्तर पर सभी की मदद करने का प्रयास कर रही है ऐसी स्थिति में हम सभी को एक साथ खड़े होकर देश की सेवा करनी चाहिए । आराजी लाइन क्षेत्र के राजातालाब,पयागपुर के दो दर्जन से अधिक वंचित समुदायों के मनरेगा व दिहाड़ी जरुरतमंद मजदूरों को खाद्य सामग्री दाल, सोयाबीन, आलू, प्याज, तेल, मसाला आदि खाद्य और सब्ज़ियों के साथ मॉस्क व हाँथ धोने हेतु डेटॉल साबुन का वितरण किया गया। सुरेश राठौर ने बताया कि इसी प्रकार से आराजी लाईन ब्लॉक के जरुरतमंदों को चिन्हित कर रोज खाद्य सामग्री का वितरण किया जाएगा। मुख्य रूप से सुरेश राठौर, मनोज,रेनू, महेंद्र, श्रद्धा, प्रियंका, मुश्तफा आदि लोगों ने सहयोग दिया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में सैनिटाइजर कराया

प्रखर वाराणासी। आज शनिवार को भाजपा के कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी व सांसद कैविनेट मंत्री महेन्द्रनाथ पाण्डेय को प्रेरणा स्वरुप शिवपुर विधान के ग्रामसभा फुलवरियां में सेनीटाइज का कार्य किया गया। क्योंकि सुखा राशन,पका भोजन,हरी सब्जी से पेट भरा जा सकता है,परन्तु कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को हराने के लिए साफ-सफाई भी अनिवार्य है। इसी के तहत भाजपा के कार्यकताओं ने राहत सामग्री वितरण के साथ पूरे क्षेत्र में प्रतिदिन सेनीटाइज करने का निर्णय लिया है। सेनटराइज के इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिला कार्य समिति भाजपा/पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा, राकेश पाण्डेय,दुर्गेश,अरुणीचन्द्र सिंहा,श्याम सुन्दर विश्वकर्मा,गोविन्दा पाण्डेय उपस्थित रहें।

विश्वनाथ मंदिर आरती रुकना हिन्दूओं की कायरता और चाटूकारिता दशार्ती है- रोशन पाण्डेय

प्रखर वाराणसी। विश्वनाथ मंदिर के सप्तऋषि आरती के अर्चको को सुरक्षा कर्मियों ने मंदिर आरती करने जाने से रोका गया। जिससे हिन्दू समाज पार्टी के प्रखर कट्टर हिंदूवादी नेता रोशन पाण्डेय ने कड़े शब्दों में सरकार की निंदा कर आक्रोश जताते हुए कहा कि पिछले तीन सौ वर्षों की परंपरा को बीजेपी सरकार ने धार्मिक परम्परा छिन्न-भिन्न किया है इसका खामियाजा सरकार को भूगतना होगा। रोशन पाण्डेय ने कहां कि कितनी शर्म की बात है कि तथाकथित हिन्दू सरकार ने ही ऐसा काम कर दिखाया जो आजतक मुगल और अंग्रेजों ने कभी नहीं किया था योगी सरकार से मुझे ये उम्मीद नहीं थी। रोशन पाण्डेय ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से मंदिर प्रशासन और विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विशाल सिंह पर कड़ी कार्यवाही करते हुए बर्खास्त करने की मांग किया है। साथ ही दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही और तत्काल आरती शुरू नहीं करने देंने पर आंदोलन की चेतावनी भी दिया है` रोशन पाण्डेय ने कहां कि विश्वनाथ मंदिर में सरकार की मनमानी हिन्दूओं की कायरता और चाटूकारिता,स्वार्थी होने की निशानी है रोशन पाण्डेय ने आक्रोश जताते हुए कहा कि जब मौलवियों का चप्पल रखने की स्थान पर थोड़ा खरोंच क्या आया था की पांच हजार से ज्यादा मुसलमान सड़क पर उतर गया था लेकिन हिन्दूओं की कायरता और चाटूकारिता स्वार्थ ने इतनी बड़ी धार्मिक परम्परा तोड़ने के बाद भी सभी मौन है।

इसके साथ ही काशी के साधू-संत पीठाधीश्वर अखाड़ा, संन्यासी और धर्म के ठेकेदार सभी मौन है और कुछ लोग सरकार की राग अलाप रहे हैं। ये हिन्दू समाज और सनातन धर्म के लिए बहुत दुखद है। हिन्दू समाज की कायरता और स्वार्थीपन से कहीं ऐसा ना हो कि धिरे धिरे काशी का इस्लामीकरण हो जाय।

दिहाड़ी मजदूरों, व बाहरी छात्रों में बाटे गये राशन

प्रखर वाराणसी। बनारस श्रीजन चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बाहर से आकर काम करने वाले दिहाड़ी मजदूरों तथा बाहर से आकर पढ़ने वाले छात्र जो कि किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करते हैं तथा जरूरतमंद लोगों को भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य किशोर महाराज के द्वारा राशन सामग्री वितरित किया जा रहा है। आचार्य श्री किशोर ने बताया कि संस्था बाहर से आए दिहाड़ी मजदूरों व बाहर से आए छात्रों के लिए राशन सामग्री की कमी नहीं होने देगी। उन सभी जरूरतमन्दों तक हमारे संस्था के लोग द्वारा राशन किट पहुँचा रहे हैं। और कुछ परिवारों का लगातर ध्यान देकर समय पर उनतक जरूरत की वस्तुएं पहुँचायी जा रही,जब तक स्थिति सामान्य न हो जाये। संस्था के ट्रस्टी धैर्यशील माहेश्वरी,सुमित तथा अभिषेक दुबे शिवम् ,पार्षद पुन्नूलाल बिंद व ऋषिदेव के सहयोग से लगातार जरूरतमन्दों तक राशन पहुँचा रहे हैं।

वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा की अध्यक्षता में व्यापार मंडल की बैठक सम्पन्न

प्रखर वाराणसी। वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा की अध्यक्षता में व्यापार मंडल की एक बैठक हुई जिसमें वाराणसी के विभिन्न विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल व्यापारी भाइयों की समस्याओं पर चर्चा की गई` दिनांक 10 मई से जिलाधिकारी वाराणसी द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार जरूरी वस्तुओं की दुकाने सुबह 7:00 बजे से 2:00 बजे तक खोलने और गैर जरूरी दुकानों की खुलने का समय वीरवार और शुक्रवार किया गया है ,इससे उत्पन्न समस्याओ पर गौर करते हुए वाराणसी व्यापार मंडल ने वाराणसी के जिलाधिकारी से मांग की इस तरह से इस तरह से बाजार में न सिर्फ भीड़ बढ़ेगी बल्कि अन्य दुकानदारों में रोष फैलेगा / बैठक में जूते ,सरार्फा, गारंमेन्ट की दुकानों को भी बोलने की मांग प्रशासन से की गई । रमेश निरंकारी ने प्रशासन को यह सुझाव दिया कि जरूरी चीजों की दुकानों को प्रथम पाली 7

बजे से 2बजे और दूसरे जरूरी चीजों की दुकानों को दूसरी पाली 2बजे से 7बजे तक में खोलने की व्यवस्था की जाए,जिस से बाजार में भीड़ भी नही होगी और दुकानदार की रोजी रोटी भी चल जाएगी । प्रमोद अग्रहरी ने सब्जी मंडी के खुलने के समय को सुबह करने की मांग की । सन्नी जौहर ने बाजार के समय के साथ बैंकों का भी स्वचालन उस समय से चालू करने की मांग की ताकि पैसे का ट्रांजैक्शन लेनदेन सुचारू रूप से हो सके अजीत सिंह बग्गा जी ने ट्रैवल व्यवसाय में हो रही दिक्कतों की तरफ प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि ट्रैवेल में लगी हुई टैक्सियों का तिमाही रोड टैक्स जमा करवाया जाता है , परन्तु इस समय लॉक डाउन में गाड़िया घर पर खड़ी है , काम बंद है और टूरिज्म इंडस्ट्री भुखमरी के कगार पर है ,इस लिये सरकार और प्रशासन लॉक डाउन की अवधि में रोड टैक्स को माफ करें । इस बैठक में वाराणसी व्यापार मंडल के महामंत्री प्रमोद अग्रहरी पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष रमेश निरंकारी ,वाराणसी व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष शिवप्रसाद जी, कबीर रोड व्यापार मंडल के महामंत्री सन्नी जौहर, आईटी सेल अध्यक्ष संतोष सिंह,महामंत्री मनीष गुप्ता,उड़ाका दल अध्यक्ष सत्यप्रकाश, उपभोक्ता मंच के अरविंद जयसवाल और राजीव वर्मा और उपस्थित थे।

जिले में मिला एक कोरोना मरीज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नंदगंज थाना अंतर्गत खिदिरपुर गांव में एक कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने से पूरे जनपद प्रशासन एक बार फिर से एलर्ट हो गया।

जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक व मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा गांव में जाकर कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति से पूछताछ की गई तथा उस व्यक्ति की ट्रैवल हिस्ट्री पता किया गया। कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल बनारस तथा उसके संपर्क में आए सभी लोगों को एंबुलेंस द्वारा रेलवे ट्रेनिंग सेंटर गाजीपुर लाया गया जहां उनकी जांच कर रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में पूरे गांव को सैनिटाइज कराया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर, मुख्य चिकित्साधिकारी, तहसीलदार सदर, सी.ओ.सिटी तथा एस.ओ.नन्दगंज उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं